Notification : 535/2023

Date of Award: 11-04-2023

Name of Scholar: Poonam Singh Tomar

Name of Supervisor: Dr. Asif Umar

Name of Department/Center: Hindi, Faculty of Humanities and Languages. JMI

Topic of Research: Nai Kahani Andolan ke Alochak Aur Kathakar Alochak: Ek Tulnatmak Adhyayan

Keywords: Nai kahani Andolan, Alochna, Anubhuti ki Pramanikta, Bhoga hua Ythartha, Sanketikta

Finding

नई कहानी आंदोलन हिंदी कहानी आलोचना में एक परिवर्तनकारी मोड़ है | इस आन्दोलन ने कहानी की दशा व दिशा दोनों को परिवर्तित किया है | कहानी आलोचना के निर्माण की पृष्ठभूमि का ठोस आधार यहीं से निर्मित होता है | कहानी आलोचना के प्रतिमान व सैद्धांतिकी के निर्माण की दिशा में बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य किए गए है | रचनाकार, आलोचक, पाठक, पत्रिकाएँ, संपादक आदि सभी के सामूहिक योगदान से एक ऐसा साहित्यिक माहौल पनपा जो पहले भारतेंदु युग के समय अथवा छायावादी दौर में देखा गया था |

नई कहानी के समर्थकों ने स्वयं को पुरानी पीढ़ी से अलग साबित करने के लिए जिस मौलिक तत्व की उद्भावना की वह 'अनुभूति की प्रामाणिकता' और 'भोगा हुआ यथार्थ' है | आजादी के बाद बदलती परिस्थितियों के साथ हिंदी कहानी को एक नया सन्दर्भ दिया गया | उन्हीं विषयों के पात्रों को कहानी में जगह मिली जो रचनाकार ने अपनी अनुभूति के माध्यम से महसूस किया | स्वतन्त्रता से पहले कहानी-आलोचना की कोई सुविकसित परंपरा नहीं थी | आलोचना के केंद्र में 'कविता' थी | नई कहानी को परिभाषित करने में आलोचक पूर्ण रूप से सफल नहीं थे | जिसके परिणामस्वरूप नई कहानी के

कहानीकारों को स्वयं अपना पक्ष रखना पड़ा | नई कहानी आन्दोलन में कहानीकारों ने जितना योगदान दिया उतना ही कहानी आलोचना के प्रतिमान को निर्मित करने में भी दिया | कमलेश्वर, राजेन्द्र यादव, मोहन राकेश, मार्कण्डेय, शिवप्रसाद सिंह, भीष्म साहनी, निर्मल वर्मा आदि नये कहानीकारों ने नयी कहानी को साहित्यिक विमर्श प्रदान किया |

नयी कहानी की आलोचना के प्रतिमान और सैद्धान्तिकी के निर्माण में इस आन्दोलन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है | इस आन्दोलन पर न केवल आलोचकों ने अपनी दृष्टि डाली बल्कि कहानीकारों ने भी कहानियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन किया | दोनों के प्रयत्न ने नयी कहानी आन्दोलन को जीवंतता प्रदान की |